832

र्यंन्यति ३१. यँयति, ०ते १९, ४. l. २,३५, ४. l. जयन्युम् und येयुम् Sidba K. zu P. 1,2,6. Vop. 8,52. ग्रन्थिला und ग्रायला P. 1,2,23, Sch. Vop. 26, 206. knupsen, winden, an einander reihen; bewinden Duatup. นี้ प्रयमें मन्द्रिं मंद्रीयात TS. 6,2,9,4. 7,3,40,3. मन्द्रयिष्ये विचित्राश्च स्रजः MBn. 4,262. (तोयधिः) ग्रन्थिवेव कृचः BHATT. 7,105. (हात्तसैर्क्तैः) यमलोक्रिमवा-ম্মান besäen 17,69. (aus Worten) ein literärisches Product winden, zusammenstellen: प्रवाति स्वयमिच्ह्या प्रचिपदैः शास्त्राणि काच्यानि वा Рав. 101,8. यन्यति यन्यम्, reflex.: यन्यते, यद्यीते, श्रयान्यष्ट यन्यः BHARADV. zu P. 3,1,89. Vop. 24,12. — partic. म्रायत (मन्यित AK.) 1) adj. a) geknüpft, gebunden, verbunden, aufgereiht, gewunden, hineingebunden, verknüpft, verbunden, besetzt mit, besäet mit AK. 3,2,35. H. ап. 3, 259. Med. t. 106. मन्यि RV. 9, 97, 18. Сат. Вв. 11, 2, 6, 7. जहा: МВн. 12,9294. किर्एायरङाययिता जटाः 3,10052. ैमोलिर्सी वनमालया RAGB. 9, 51. पर्यापप्रियतातसूत्रवलप PRAB. 21, 6. सस्रोव्हसूत्रप्रियत (ममत्रपाश) 93,15. जालग्रियताङ्गील: कर: verbunden durch Çik. 175. मतस्यान् aufgereiht MBH. 12,4903. मूलानि Suca. 2,385,16. स्वर्णास्त्रग्रियिता महानी-लोपला इव R. 6,84,25. कुर्मुमैर्घ वितामपा विवै: स्रतम् RAGH. 8,34. वसत्त-पट्पग्रयिता माला R. 5,13,50. म्रन्योऽन्यभ्त्रम्त्रीस्ताः स्त्रीमाला ग्रयिता प-या ५९. मालेव प्रियता मूत्रे ६०. वेएया प्रियतम् (मिणिर्लम्) ३६,७३. ६८,३०. (माला) जातद्वपर्सयै: पद्मैर्प्रायिता МВн. 13,847. र लग्नयितोत्तरीय Rасн. 16, मक्तावालग्रियतमलकम् месн. 64. धन्योऽन्यमालाग्रियतं संसक्तक्म्-मोच्चयम् । म्रासीद्वनिमवादूतं स्त्रीवनं रावणस्य तत् ॥ R. 5, 13, 61. सितसि-जार्थलाजागोरीचना॰ Pankar. 158,3. तदस्त्रशस्त्रग्रायतम् (युद्धम्) Hariv. 2679. (विलयन्) कारणार्वम्रिवतम् adv. so v. a. mit Worten kläylichen Inhalts Ragn. 8,69. künstlich verschlungen, von der Fabel eines Schauspiels (Aca) Cak. 3,12. Malav. 3,9. Vikr. 3,7. fest geknüpft und daher schwer zu entwirren, in übertr. Bed.: धर्माधर्मा MBs. 5,957. कुलदेशादिधर्माणां र्यावताना प्रवाविधि । म्रव्युच्केतास्मि सर्वेषाम् 12,2901. तच्क्वाकत्रूटमच्या-पि प्राचितं सुरुष्ठं मुने । भेतुं न शक्यते ऽर्थस्य गूष्ट्रवातप्रिश्वितस्य च ॥ 1,82. यत्पादपङ्कजपलाशविलासभत्रवा कर्माशयं ग्रायतम्द्रययति सत्तः Bula P. 4.22,39. वचांति योगययितानि साधा न नः तमं ते मनसापि भेत्म् 5,10, 19. — b) knotig, verhärtet, zusammengeballt: म्राष्ट्री Suçn. 1,303, 8. प्-रीय 2,180,14. ंमांस 1,36,5. 292,14.16. — c) zum Stocken gebracht: नापा Suçu. 2,501,10. वलास े 305,11. — d) verletzt, beschädigt, = হ্ন, हिं-ানির II. an. Med. — e) gepackt, in Besitz genommen, = মান্সার H. an. = क्राप्त (ग्राक्राप्त ÇKDR.) Med. — 2) n. Bez. eines knotigen Abscesses Seck. 1.298, 7. 15. 2,123, 15.

- म्रा umschlingen: तव्यया पुनराग्रन्यं पुनर्निग्रन्थमतं वद्योपात् Am.
- उद् 1) aufbinden so v. a. in Bündel bringen, in die Höhe binden: दर्भस्तम्त्रानुद्धस्य Air. Bb. 3,23. TBb. 2,2,1,4. केशपतान् Açv. Çb. 10,8. केशान् श्रेतेनोद्धरस्य वाससा MBb. 4,1419. लाताप्रतानोद्धितः वेशीः Ragb. 2,8. 2) knüpfen, winden: ड्यां त्रिमृद्धस्य वद्माति Kauç. 35. माल्यानि तस्योद्धितानि पृष्टैः MBb. 3,10066. 3, aufknüpfen, lösen: यन्यीन् Kauç. 47. कर्माश्यं यावतमुद्धयित्त सत्तः Bulg. P. 4,22,39. Vgl. उद्धन्य und वन्य mit उद्
- तमुद् in die Höhe binden: केशान्समुद्धध्य MBs. 4,244. समुद्धध्य सि-तेन वाससा स मूर्धज्ञान् 8,4667.

- 34 umschlingen Cit. aus einem Kalpa beim Sch. zu TS. S. 357, ult.
- 「 einschlingen Air. Br. 5, 15 (s. u. 羽).
- वि verbinden, zusammenbinden, umbinden: स्रतानुष्तीषेण विद्याति ÇAT. BR. 3,3,2,18. KAUÇ. 36.76. ÇAÑKH. GREJ. 1,24 (in KAUÇ.: वि-गृष्ट्य und so auch v. l. in ÇAÑKH.). partic. 1) verbunden: वासाभिर्यूपो विष्टिता वा विद्ययिता वा भवति ÇAT. BR. 5,2,1,5. त्रण SUÇR. 1,18,3. 2) knotig, knotlig: शोष SUÇR. 1,286,18. तीर् 176,20. 3) unterbunden so v. a. gehemmt: देापविद्यायितमल्पमाधम् SUÇR. 2,190,6.
- सम्, partic. संग्रंथित verknotet, zusammengebunden: वि श्रुप्तस्य सं-ग्रंथितमनुर्वा विद्त् ку. 10,61,13. तेन संग्रंथिताः सुमनस श्रावधामि पशा मिष्ट Рав. Свил. 2,6.
- 2. यय् und यन्य्, प्रयते und प्रन्यते krumm sein; krumm machen; moralisch schlecht sein Daarup. 2,35.

ययन (von 1. यय) 1) n. das Stocken, Gehemmtwerden der freien Bewegung: रापस्थिशवादयनाच Suça. 1,288,13. — 2) f. मा das Knüpfen, Binden Med. th. 5.

मर्थिन् (von 2. म्रय्) adj. falsch: मुक्कतून्म्यिनी मृधवीचः प्रणीन् R.V. 7, 6,3. Nach Si. = जल्पक, also: Worte an einander reihend (vgl. unter 1. म्र्यु).

प्रञ्ज (von 1. प्रञ्) Bischel: म्रीडम्बरं शलादुमञ्जमानभ्राति Gobb. 2, 7, 4. Oder ist etwa प्रन्य zu lesen?

মন্ত্র (wie eben) m. 1) das Knüpfen, Binden Trik. 3,3,196. fg. H. an. 2,214. Med. th. 5. - 2) ein künstliches Gefüge von Worten: Vers; Composition, Abhandlung, literarisches Product, = दात्रिंगदन्ती Trik. 3, 2,21. 3,196. = द्वात्रिंशदर्णानिर्मित H. an. = म्रत्तरसंख्या Med. = शा-स्त्र A.K. 3,4,25,181. H. an. Med. यन्ययन्थिं तदा चक्रे गूहम् MBH. 1,80. यन्यार्थसंयुता (संक्तिता) 19. म्राप् यन्यार्थत्रक्ता च यः स पारिउत उच्यते ५, 998. धार्यते कि त्रया ग्रन्य उभयोर्वेदशास्त्रयोः । न च ग्रन्यस्य तत्त्रज्ञो यया च त्रम् 12,११३४०. fgg. लघ्ना देशत्रपेण प्रन्यपेग्गेन ३९६१. दानसंवनना (Gobb.: ्संवर्धना) स्रोते यन्या मेधाविभिः कृताः। यज्ञस्य देहि दोत्तस्य तपस्तप्यस्य संत्यज्ञ ॥ R.2,108.16. (तेन) निवद्धा सप्तभिर्व पैर्यन्यलनाणि सप्त सा (क्रया) Катная. 8, 2. — Р. 1, 3, 75. 4, 3, 87. 6, 3, 79. त्यनेद्वन्यमशेयतः Аметалія-อชัค. in Ind. St. 2,62. मुक्ति॰ Тебоvіловір. ebend. 64. शीनकीया दश ग्र-न्या: 1,102.106.69. 2,286. fg. Wassiljew 217. ग्रन्थमोरिसतम्त्यार्याते Suga. 2,161,8. तर्कयन्यार्थरिह्त 360,13. पञ्चतत्रात्तयान्यस्माद्धन्यात् Hrr. Pr. 8. इन्ह्राम्बन्य Z. f. d. K. d. M. 4, 72. Varân. Bru. S. 1.2. 2,2. 24.3. 106, 1.6. ग्रन्यानैवाभ्यसेद्वङ्कन् Bukc. P. 7, 13, 8. योग॰ 5, 10, 16. H. 795. — Abtheilung im Кати. Ind. St. 3, 434. — 3) Reichthum Твік. 3, 3, 196. fg. H. an. Med. - Vgl. उत्तर् . निर्यन्य, पडुन्य.

प्रन्यका (प्रन्य + क °) n. das Verfassen von Abhandlungen u. s. w. Pankat. I. 12.

ग्रन्थकर्तर् (ग्रन्थ + क्°) m. Autor einer Abhandlung u. s. w. Wilb. CKDB.

यन्यकार् (यन्य + कार्) m. dass. MBB. 13,690. Sch. zu VepAntas. 1. ult. यन्यक्टी (यन्य + क्टी) f. Bibliothek Trik. 2,8,29. ्क्टी Wils. ÇKDa. यन्यक्त् (यन्य + कृत्) m. = यन्यकर्त्र MBB. 13,694.

মন্থন (von 1. মুখ্) n. das Knüpfen, Binden, Winden H. 653. বুঘাও Ver. 9.4. মন্থনা f. dass. Vor. 26. 194. Trik. 3,3.197. Med. th. 5.